प्रश्न 12. स्पृहा शीर्षक कथाक सारांश लोखू ।

उतर - *ओ सुतले छलील कि फोनक घंटी बाजि उठल , जाड़क मास एतेक भोरेक ककर फोन छैक । कने मन मे आशंका सेहो होइत छन्हि । फोन उठौला पर पारिवारिक मित्रक फोन छलैक । ओ कहलनी - विवेक बाबू रातिमे खतम भ गेलाह । हुनकेँ दाह संस्कार क केँ एखने अएलहुँ । कोना? अरे तीन वर्ष पहले मरि गेल छलाह ब्रेन ट्युमर भ गेल छलन्हि । एतेक दिन बड़ कष्टमे छलाह । परिवारक लोक सभ सेहो तंग भ गेल छ्लन्हि । बाजिओ नहि सकैत छलाह । नीक भेलनि बेचारे मुक्त भ गेलाह ।*

विवेक बाबू सँ हमरा परिचय भेल तखन ओ पटना साइन्स कॉलेजमे फिजिक्सक प्रोफेसर छलाह । एक साधारण परिवारक छलाह । ट्यूसन क क एम0 एस0 सी कयलनि आ पटने साइन्स कॉलेजमे प्रोफेसर भ गेलाह ।

हम सब एक मोहल्लामे रहैत छलहुँ । हमर संगी छलीह निशा । जे अत्यन्त सुन्दरी छलीह , हमरासँ चारि - पाँचक छोट । हमरा पर हुनका बड़ विश्वास छलन्हि ओ पूर्णीया दिसक जमीन्दार परिवारक छलीह । शहर मे अपन जमीन मकान छलन्हि । खूब सम्पन्न परिवार छलनि निशा कैं । विवेक बाबू सेहो ओम्हरे कैं छलाह ।

तैं सम्भवत: तैं दुनू परिवारमे वेस घनिष्टता छलैक । निशा अपन पढाइ के तैयारीक क्रममे विवेक बाबूस पढैत छल । पारिवारिक संबंध आ गुरू - शिष्यक निकटतामे कोनो दुनूमे आकर्षण बढैत गेल । विवेक बाबू विवाहित छलाह । दुनूमे वयसक पैघ अन्तर छल तथापि अज्ञात आकर्षणक पाशमे निशा बन्हाए गेलीह ।

एक दिन विवेक बाबू कहने छलथिन - हम अहाँ जँ एकठाम रहितहुँ तँ अहाँकैं हम एकहुट्टा काज नहि कर दितहुँ , मत्र अहाँकैं देखैत रहितहुँ । " निशाकैं

हँसी लागि गेलै तखन कइतहुँ की ? एक बेर विवेक बाबू कहने छलथिन्ह - " हमर तँ मानस देवता अहि छी " किएक तँ हम सदिखन अहींक स्मरन करैत छी ।

तखन तँ निशाकेँ एक पैघ - पैघ बात बुझबामे नहि अयलन्हि । मुदा समय बितला बादो निशाकेँ सभ बात मने छलन्हि ।

आब अल्हड़ी निशा वयस्क भ गेल छलैथ । एक दिन कॉलेजक मैदानमे विवेक बाबूक संग बैसल छलीह त निशा विवेक बाबूक हाथ पकड़ि लेने छल । विवेक बाबू चारू दिस शंकाक दृष्टिसँ देखैत बजला - ' लोक देखत ' यै दू शब्द निशाक जीवन बदलि देलक । हाथ छोड़ि निशा ओतयसँ घूरि अयलीह ।

किछु मासक बाद निशाक विवाह भ गेलन्हि । विवेक बाबू दिन - रात एक क क विवाह मे सभ काज कैलनि । ओना ओ मुँहसँ किछु नहि बाजथि

मुदा निर्निमेष दृष्टि सदिखन निशाक पांछा करैत छल ।
एकटा पराजयक भवना , आहत दृष्टि हुनक नियति बनि
गेल । निशाक विवाह - दुरागमन सब एके संग भेल ।
निशाक पति दिल्लीमे उच्च अधिकारी छलथिन्ह ।
अवकाश बेसी नहि छलन्हि।